UGC NET Paper 1 2011 June
www.Fillerform.info

Previous Years Solved Questions - UGC NET Paper 1 for July 201

Unit 3(Home work)Hindi/Eng-27

Read the following passage carefully and answer question 11 to 15:

Singapore has long advocated for India to take up its role as an integral part of the region. It is gratifying to see how ASEAN-India relations have grown during the past 25 years. In 1991, when the cold war ended and India began its economic liberalization, Singapore saw an opportunity to deepen ties and build on its historical and cultural links with the Asian region. Singapore pushed for India to become a full ASEAN dialogue partner in 1995 and join the EAS in 1995 and since then, ASEAN-India ties have strengthened. All in all, around 30 platforms for co-operation exist, including seven ministerial dialogues and the Annual leader summit. However, there is scope for more and it is a must. For instance, there are tremendous opportunities in enhancing physical and digital connectivity between India and ASEAN. ASEAN is committed to strengthening land, air and sea linkages with India. These linkages will enhance people-to-people flows, as well as boost business, investment and tourism. The India-Myanmar-Thailand trilateral highway will connect India's Northeast to mainland Southeast Asia. While one can fly directly between India and several ASEAN countries, there is still much room to expand air links to support growing business and tourism. Beyond physical linkages, digital connectivity is the new frontier in the fourth industrial revolution. India has made great progress in innovation, startups and digital inclusion. There are opportunities to apply initiative such as Aadhaar in our region. E-commerce and FinTech are two other areas of potential collaboration. As an economic hub, Singapore can serve as a springboard to launch these ideas to Southeast Asia and beyond. India's role in ASEAN should be anchored by growing economic ties with Singapore. The economic integration involving 16 countries with one-third of global GDP and trade will create an integrated Asian market.

11.) Who can be India's launchpad for an integrated Asian market as per the passage?

Options:-

(A) Southeast Asia

(B) Myanmar

(C) Singapore

(D) Thailand

ANS.

12.) What prompted Singapore to opt for stronger ties with India?

Options:-

(A) Economic liberalization in India

(B) End of Cold War

(C) Geo-political equations

(D) Historical past

ANS.

13.) The areas of collaboration between India and ASEAN are:

(a) FinTech

(b) Aadhaar

(c) E-commerce

(d) Digital backwardness

(e) Trilateral highways

(f) Fourth Industrial Revolution

Options:-

(A) (a), (b), (c) and (d)

(B) (a), (c), (e) and (f)

(C) (c), (d), (e) and (f)

(D) (b), (c), (d) and (e)

ANS.

14.) What is needed to encourage tourism between India and ASEAN?

Options:-

(A) Innovation

(B) Air links

(C) Start-ups

(D) Waterways

ANS.

15.) The commitments of ASEAN with India is :

Options:-

(A) More and more dialogues

(B) Offer political platforms

(C) Hold leadership summits

(D) Improving transport links

ANS.

समझना:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और प्रश्न 11 से 15 का उत्तर दें:

सिंगापुर ने लंबे समय से भारत को इस क्षेत्र के अभिन्न अंग के रूप में अपनी भूमिका निभाने की वकालत की है। यह देखना सुखद है कि पिछले 25 वर्षों के दौरान आसियान-भारत संबंध कैसे विकसित हुए हैं। 1991 में, जब शीत युद्ध समाप्त हो गया और भारत ने अपना आर्थिक उदारीकरण शुरू किया, तो सिंगापुर ने एशियाई क्षेत्र के साथ अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने और बनाने का अवसर देखा। सिंगापुर ने भारत के लिए 1995 में एक पूर्ण आसियान वार्ता भागीदार बनने और 1995 में ईएएस में शामिल होने के लिए धक्का दिया और तब से, आसियान-भारत संबंध मजबूत हो गए। सभी में, सहकारिता के लगभग 30 मंच मौजूद हैं, जिसमें सात मंत्रिस्तरीय संवाद और वार्षिक नेता शिखर सम्मेलन शामिल हैं। हालांकि, अधिक होने की गुंजाइश है और यह एक जरूरी है। उदाहरण के लिए, भारत और आसियान के बीच भौतिक और डिजिटल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए जबरदस्त अवसर हैं। आसियान भारत के साथ भूमि, वायु और समुद्री संपर्क को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। ये लिंकेज लोगों को लोगों के प्रवाह को बढ़ाएंगे, साथ ही व्यापार, निवेश और पर्यटन को बढ़ावा देंगे। भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग भारत के पूर्वोत्तर को मुख्य भूमि दक्षिण पूर्व एशिया से जोड़ेगा। जबकि एक भारत और कई आसियान देशों के बीच सीधे उड़ान भर सकता है, बढ़ते व्यापार और पर्यटन का समर्थन करने के लिए हवाई लिंक का विस्तार करने के लिए अभी भी बहुत जगह है। भौतिक संपर्कों से परे, चौथी औद्योगिक क्रांति में डिजिटल कनेक्टिविटी नई सीमा है। भारत ने नवाचार, स्टार्टअप और डिजिटल समावेश में बहुत प्रगति की है। हमारे क्षेत्र में आधार जैसी पहल लागू करने के अवसर हैं। ई-कॉमर्स और फिनटेक संभावित सहयोग के दो अन्य क्षेत्र हैं। एक आर्थिक केंद्र के रूप में, सिंगापुर इन विचारों को दक्षिण पूर्व एशिया और उससे आगे लॉन्च करने के लिए एक स्प्रिंगबोर्ड के रूप में काम कर सकता है। आसियान में भारत की भूमिका को सिंगापुर के साथ आर्थिक संबंधों को बढ़ाते हुए नियंत्रित किया जाना चाहिए। वैश्विक जीडीपी और व्यापार के एक-तिहाई के साथ 16 देशों को शामिल करने वाला आर्थिक एकीकरण एक एकीकृत एशियाई बाजार का निर्माण करेगा।

11.) मार्ग के अनुसार एक एकीकृत एशियाई बाजार के लिए भारत का लॉन्चपैड कौन हो सकता है?

विकल्प: -

(ए) दक्षिण पूर्व एशिया

(B) म्यांमार

(C) सिंगापुर

(D) थाईलैंड

ANS।

12.) सिंगापुर ने भारत के साथ मजबूत संबंधों को चुनने के लिए क्या संकेत दिया?

विकल्प: -

(ए) भारत में आर्थिक उदारीकरण

(बी) शीत युद्ध का अंत

(सी) भू-राजनीतिक समीकरण

(D) ऐतिहासिक अतीत

ANS।

13.) भारत और आसियान के बीच सहयोग के क्षेत्र हैं:

(ए) फिनटेक

(b) आधार

(c) ई-कॉमर्स

(d) डिजिटल पिछड़ापन

(e) त्रिपक्षीय राजमार्ग

(च) चौथी औद्योगिक क्रांति

विकल्प: -

(ए) (ए), (बी), (सी) और (डी)

(बी) (ए), (सी), (ई) और (एफ)

(सी) (सी), (डी), (ई) और (एफ)

(डी) (बी), (सी), (डी) और (ई)

ANS।

14.) भारत और आसियान के बीच पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए क्या आवश्यक है?

विकल्प: -

(ए) नवाचार

(बी) एयर लिंक

(सी) स्टार्ट-अप

(घ) जलमार्ग

ANS।

15.) भारत के साथ आसियान की प्रतिबद्धताएं हैं:

विकल्प: -

(ए) अधिक से अधिक संवाद

(बी) राजनीतिक मंच प्रदान करते हैं

(ग) नेतृत्व शिखर सम्मेलन

(डी) परिवहन लिंक में सुधार

ANS।